रविवार 11 दिसंबर 2005

नवभारत

रोगों को जड़ से मिटा देता है होमियोपैथ : डॉ. अनिता

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. होमियोपैथ रोगों को जड़ से मिटा देता है. यह कहना है डॉ. अनिता सालुंखे का. डॉ. अनिता सालुंखे के अनुसार एलोपैथ के परिणाम भले ही शीघ्र सामने आने लगते हैं, लेकिन रोगों का समूल नष्ट होमियोपैथ के जरिए ही किया जा सकता है.

डॉ. अनिता को इस बात का मलाल है कि एलोपैथ पर लोग पानी की तरह पैसा बहाते हैं. डॉ. अनिता कहती हैं कि गरीबों को ध्यान में रखते हुए मैंने चेंबूर की झोपड़पट्टी क्षेत्र में पहला दवाखाना खोला. डॉ. अनिता चेंबूर के जॉय अस्पताल में नाईट शिफ्ट करने वाली पहली महिला डॉक्टर हैं. आज वे एफएसी होमियोपैथिक सेंटर की प्रसिद्ध डॉक्टर हैं, जहां वे 1998 से निःशुल्क सेवा दे रही हैं. एफएसी एक ऐसा संस्थान है, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होमियोपैथ की शिक्षा देता है, जिसके माध्यम से जर्मनी, अमरीका, ब्राजील, बुल्गारिया, इजरायल और रूस के डॉक्टर भी डॉ. अनिता सालुंखे से होमियोपैथ की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं. होमियोपैथ के प्रचार-प्रसार के सिलसिले में डॉ. अनिता सालुंखे ने विदेशों की भी यात्राएं की हैं. उन्होंने बताया कि अधिकतर बीमारियां हार्मोंस के बदलाव या रोग प्रतिकार शक्ति क्षीण होने से होती हैं. डॉ. अनिता के पति संजय सालुंखे ने भी उच्च शिक्षा प्राप्त की है. वे एमबीए हैं, डॉक्टर हैं और एलएलबी भी हैं. इन सबसे हटकर वे एक सफल व्यवसायी हैं, उनकी नेट टेक्नोलॉजी की फर्म है, जिसका विस्तार बैंगलोर तक है. उन्हीं के प्रोत्साहन से डॉ. अनिता ने एम.डी. करने का साहस किया. होमियोपैथी को इंटरनेट द्वारा विश्वव्यापी बनाने में उनके पति संजय सालुंखे 'लॉयन शेयर' हैं, इसी का सुखद परिणाम है कि आज विदेशों से डॉक्टर आकर भारत में होमियोपैथी सीख रहे हैं.